# विषय सूची


| क्र.सं. | योजना का नाम | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| 1. | सिंचाई जनगणना | 1 |
| 2. | बाढ़ प्रबंधन तथा सीमा क्षेत्र कार्यक्रम | 2 |
| 3. | फरक्का बैराज परियोजना | 2 |
| 4. | जल संसाधन सूचना प्रणाली का विकास | 3 |
| 5. | अनुसंधान और विकास तथा राष्ट्रीय जल मिशन | 4-5 |
| 6. | नदी बेसिन प्रबंधन | 6-8 |
| 7. | बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना : चरण-।। | 9 |

## जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

**भाग-बी) 500 करोड़ रुपये से कम परिव्यय वाली योजनाएं**

### 1. सिंचाई जनगणना (सीएसएस)

| वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में) | निर्गम 2025-26 | | | परिणाम 2025-26 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **2025-26** | **निर्गम** | **संकेतक** | **लक्ष्य 2025-26** | **नतीजा** | **संकेतक** | **लक्ष्य 2025-26** |
| **40** | 1. लघु, मध्यम और प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं, जल निकायों और झरनों की गणना। | 1.1 राज्यों का प्रतिशत जिनके लिए डाटाबेस सहित जनगणना हेतु सभी गतिविधियां पूरी हो गईं। | 100 | 1. डेटा आधारित सिंचाई योजना और नीति निर्माण। | 1.1 उन क्षेत्रों की संख्या जहां नीति और योजना के लिए डेटा का उपयोग किया जाएगा[1]. | 5 |
| | | | | | 1.2 अनुसंधान, विकास और नवाचार उद्देश्य के लिए डेटा डाउनलोड की संख्या (हजारों में) | 5 |

[1] *ये क्षेत्र होंगे स्रोत सृजन, कमांड क्षेत्र विकास और वाटरशेड प्रबंधन, जल बजट, जल उपयोगकर्ता दक्षता आदि।*

**2. बाढ़ प्रबंधन एवं सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (एफ एम बी ए पी) (सीएसएस)**

| वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में) | निर्गम 2025-26 | | | परिणाम 2025-26 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2025-26 | निर्गम | संकेतक | लक्ष्य 2025-26 | नतीजा | संकेतक | लक्ष्य 2025-26 |
| 450 | 1. नदी प्रबंधन, विरोधी का निष्पादन-कटाव, बाढ़ नियंत्रण और विरोधी-समुद्री कटाव को रोकने के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में काम किया जा रहा है। | 1.1. कुल संरक्षित क्षेत्र(लाख हेक्टेयर में) | 0.38 | 1. संरक्षित क्षेत्र में क्षति में कमी | 1.1. हस्तक्षेप के अंतर्गत लाभान्वित कुल जनसंख्या (लाखों में) | 6.9 |

**3. फरक्का बैराज परियोजना (एफ बी पी) (सीएस)**

| वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में) | निर्गम 2025-26 | | | परिणाम 2025-26 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2025-26 | निर्गम | संकेतक | लक्ष्य 2025-26 | नतीजा | संकेतक | लक्ष्य 2025-26 |
| 140.00 | 1. फरक्का बैराज एवं उससे संबंधित संरचनाओं का संचालन एवं रखरखाव। | 1.1. फरक्का बैराज के कई पुराने गेट और हेड रेगुलेटर गेट बदले जाएंगे। | 14 | 1. गंगा के पानी को भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली की ओर मोड़ना। | 1.1. गंगा से भागीरथी हुगली नदी प्रणाली तक 40,000 क्यूसेक प्रवाह बनाये रखने के समय का प्रतिशत। | 100 |
| | | 1.2 फरक्का बैराज के अधिकार क्षेत्र में नदी और नहर संरक्षण कार्य पूरा किया जाएगा[2](मीटर में) | 1000 | | | |

[2] *यह कार्य की प्रस्तावित लंबाई है। हालांकि, वास्तविक लंबाई का निर्धारण एफबीपी की तकनीकी सलाहकार समिति की सिफारिशों के अनुसार किया जाएगा।*

**4. जल संसाधन सूचना प्रणाली का विकास (डी डब्ल्यूआरआई एस) (सीएस)**

| वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में) | निर्गम 2025-26 | | | परिणाम 2025-26 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2025-26 | निर्गम | संकेतक | लक्ष्य 2025-26 | नतीजा | संकेतक | लक्ष्य 2025-26 |
| 63.39 | 1. डेटा संग्रहण के लिए जल-मौसम विज्ञान स्थलों का बुनियादी ढांचा प्रबंधन। | 1.1. जल-मौसम संबंधी अवलोकन स्थलों की संख्या जहां परिचालन एवं रखरखाव (आर एंड एम) पूरा हो गया है। | 1,624 | 1. डेटा आधारित जल योजना और नीति निर्माण। | 1.1 जल डेटा का उपयोग करने वाले नीति क्षेत्रों की संख्या. | 20 |
| | | | | | 1.2 अनुसंधान, विकास और नवाचार उद्देश्यों के लिए विभिन्न संस्थाओं द्वारा भारत-डब्ल्यूआरआईएस से जल डेटा डाउनलोड करने की संख्या। | 500 |
| | | | | | 1.3 डेटा तक पहुंच के लिए भारत-डब्ल्यूआरआईएस वेबसाइट पर आने वाले लोगों की संख्या। | 2000 |
| | 2. बाढ़ पूर्वानुमान गतिविधियाँ. | 2.1. बाढ़ पूर्वानुमान के लिए स्थापित बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशनों की संख्या। | 340 | 2. बाढ़ से संबंधित जान-माल की हानि को न्यूनतम करना; | 2.1. समय पर बाढ़ के पूर्वानुमान से बचाई गई जानों की संख्या। | 8000 |
| | 3. तटीय डेटा का संग्रह | 3.1. तटीय प्रबंधन सूचना प्रणाली के अंतर्गत अनुरक्षित तटीय स्थलों की संख्या। | 8 | 3. तटीय प्रक्रियाओं और कटाव के कारणों की पहचान करना तथा एजेंसियों द्वारा तटीय संरक्षण कार्यों की योजना और डिजाइन के लिए डेटा का भविष्य में उपयोग करना। | 3.1. भारत-डब्ल्यूआरआईएस पोर्टल से डाउनलोड की संख्या | 200 |

## 5. अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) और राष्ट्रीय जल मिशन (एन डब्ल्यू एम) (सीएस)

| वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में) | निर्गम 2025-26 | | | परिणाम 2025-26 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2025-26 | निर्गम | संकेतक | लक्ष्य 2025-26 | नतीजा | संकेतक | लक्ष्य 2025-26 |
| 70 | **क. अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी)** | | | | | |
| | 1. क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं विकास आधार में सुधार करना। | 1.1. प्रकाशित की जाने वाली अनुसंधान/तकनीकी रिपोर्टों की संख्या। | 241 | 1. जल क्षेत्र में अनुसंधान निष्कर्षों, रिपोर्टों का प्रसार। | 1.1. उच्च प्रभाव (उद्धरणों के आधार पर) तकनीकी रिपोर्ट और शोध पत्रों की संख्या। | 10 |
| | | 1.2. आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षणों और कार्यशालाओं की संख्या। | 78 | | | |
| | | 1.3 क्षमता निर्माण सत्रों द्वारा प्रशिक्षित किये जाने वाले लोगों की संख्या। | 1600 | | | |
| | **ख. राष्ट्रीय जल मिशन (एन डब्ल्यू एम)** | | | | | |
| | **निर्गम** | **संकेतक** | **लक्ष्य 2025-26** | **नतीजा** | **संकेतक** | **लक्ष्य 2025-26** |
| | जल शक्ति अभियान | 1.1 कुल जल संबंधी कार्य पूरे हुए[3](लाखों में ) | 45 | 1. वर्षा जल संचयन एवं भूजल स्तर। | 1.1 भूजल स्तर में सुधार और वर्षा जल संचयन की मात्रा। | लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते[4] |

[3] *जल से संबंधित कुल कार्यों में जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल निकायों का जीर्णोद्धार, जल संरचना का पुनः उपयोग और पुनर्भरण तथा जलग्रहण विकास शामिल हैं।*

[4] *भूजल का स्तर कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे हाइड्रोजियोलॉजिकल स्थितियां जैसे मिट्टी/जलभरों का प्रकार, वर्षा, भूजल, पंपेज, सिंचाई पद्धतियां आदि।*

| वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में) | निर्गम 2025-26 | | | परिणाम 2025-26 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2025-26 | निर्गम | संकेतक | लक्ष्य 2025-26 | नतीजा | संकेतक | लक्ष्य 2025-26 |
| | | 2.1 स्थापित जल शक्ति केन्द्रों की संख्या | 40 | 2. सूचना प्रसार | 2.1 जल शक्ति केन्द्रों में आने वाले लोगों की संख्या (हजारों में) | 6 |
| | | 3.1 एनडब्ल्यूएम द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों/सम्मेलनों/सेमिनारों/किसान मेलों आदि की संख्या (हजारों में) | 40 | 3. किसानों की क्षमता निर्माण। | 3.1 किसान मेलों से लाभान्वित किसानों की संख्या (लाखों में) | 9 |

**6. नदी बेसिन प्रबंधन (आरबीएम) - (सीएस)**

| वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में) | निर्गम 2025-26 | | | परिणाम 2025-26 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2025-26 | निर्गम | संकेतक | लक्ष्य 2025-26 | नतीजा | संकेतक | लक्ष्य 2025-26 |
| कुल:243<br><br>(एन डब्ल्यू डी ए:44) | क. जल संसाधन विकास योजनाओं की जांच–राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी (एनडब्ल्यूडीए): | | | | | |
| | 1. राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना और अन्य अंतर-राज्यीय लिंक। | 1.1 3 परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के पूरा होने की प्रगति[5].(%) | 100 | 1. नदी जोड़ो परियोजनाओं से दीर्घकालिक लाभ मिलेगा, जिसमें कृषि योग्य कमान क्षेत्र (सीसीए) में वृद्धि, बिजली निर्गम में वृद्धि, तथा पेयजल के लिए बेहतर जलापूर्ति शामिल है। | 1.1 सी.सी.ए. में वृद्धि, विद्युत निर्गम और विभिन्न उपयोगों के लिए जल उपलब्ध कराना.[6] | लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते |
| | | 1.2 अन्य 3 परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के पूरा होने की प्रगति[7](%) | 60 | | | |
| | 2. हिमालयन लिंक्स | 2.1 हिमालयी लिंक की पूर्व-व्यवहार्यता/व्यवहार्यता रिपोर्ट की संख्या पूरी की जानी है। | 3 | | | |
| | | 2.2. पूर्ण की जाने वाली जल संतुलन रिपोर्टों की संख्या। | 10 | | | |

[5] *ये 3 परियोजनाएं हैं: संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल; सुवर्णरेखा-महानदी (एसएम) और शारदा-यमुना (एसवाई)। एसएम और एसवाई लिंक का 90% कार्य मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा।*

[6] *भारत सरकार से समझौते अर्थात एमओयू/एमओए पर हस्ताक्षर करने तथा वित्तीय परिव्यय की मंजूरी मिलने के बाद परियोजना के कार्यान्वयन का कार्य शुरू किया जाएगा। इसलिए, किसी भी आईएलआर/अंतर-राज्यीय परियोजना के कार्यान्वयन के बाद परिणाम शुरू होगा।*

[7] *ये 3 परियोजनाएँ हैं: मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा; गंगा-दामोदर-सुवर्णरेखा; और महानदी-गोदावरी*

| (सी डब्ल्यू सी घटक:14) | ख· आरबीएमः जल संसाधन विकास योजनाओं की जांच – सीडब्ल्यूसी घटक | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1. विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना। | 1.1 जम्मू और कश्मीर में बेरिनियम एचईपी के लिए डीपीआर के अध्यायों का पूरा होना। | 2 | 1. इन परियोजनाओं की डीपीआर पूरी होने से परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए व्यापक रूपरेखा उपलब्ध होगी। | 1.1 सी.सी.ए. में वृद्धि, विद्युत निर्गम और विभिन्न उपयोगों के लिए जल उपलब्ध कराना | लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते[8] |
| | | 1.2 मिजोरम में त्लावंग जलविद्युत परियोजना के लिए डीपीआर के अध्यायों का पूरा होना | 4 | | | |
| | | 1.3 मधुरा सिंचाई परियोजना, असम के लिए डी·पी·आर· के अध्यायों का पूरा होना। | 4 | | | |
| | | 1.4 तुइचांग एच·ई· परियोजना, मिजोरम के लिए डीपीआर के अध्यायों का पूरा होना। | 4 | | | |
| | | 1.5 द्रास-सिरु लिंक परियोजना के लिए डीपीआर के अध्यायों का पूरा होना। | 4 | | | |
| | | 1.6 मेघालय में डैमिंग सिंचाई परियोजना के लिए डीपीआर के अध्यायों का पूरा होना। | 4 | | | |
| | | 1.7 मैट-सेकावी जलविद्युत परियोजना, मिजोरम के लिए डीपीआर के अध्यायों का पूरा होना। | 4 | | | |

[8] *ये परियोजनाएं विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) चरण में हैं। परिणाम तभी प्राप्त होंगे जब इन परियोजनाओं को एमओयू/एमओए एमओए पर हस्ताक्षर करने और सरकार से वित्तीय परिव्यय की मंजूरी के बाद कार्यान्वयन के लिए लिया जाएगा*

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (ब्रह्मपुत्र बोर्ड घटक:185) | **ग॰ आर बी एम- ब्रह्मपुत्र बोर्ड घटकः** | | | | | |
| | **निर्गम** | **संकेतक** | **लक्ष्य 2025-26** | **नतीजा** | **संकेतक** | **लक्ष्य 2025-26** |
| | 1. चल रहे/नए कटाव-रोधी, जल निकासी विकास कार्यों को पूरा करना। | 1.1 बाढ़ एवं कटाव से सुरक्षित भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) | 2000 | 1. बाढ़ एवं कटाव के विरुद्ध सुरक्षा में वृद्धि, जल निकासी की समस्या में कमी तथा कृषि भूमि का पुनःउद्धार। | 1.1 बाढ़ सुरक्षा एवं कटाव से लाभान्वित जनसंख्या की संख्या | 10000 |
| | 2. पूर्वोत्तर क्षेत्र की स्थानीय जनजातियों और स्वदेशी लोगों की जल प्रबंधन प्रथाओं के वैज्ञानिक प्रसार और सुधार के लिए चल रही योजनाओं को पूरा करना। | 2.1 कवर किये जाने वाले गांवों की संख्या॰ | 29 | 2. जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर ध्यान देते हुए स्वदेशी जल प्रबंधन प्रथाओं में सुधार और वाटरशेड के स्वास्थ्य में सुधार करना। | 2.1 लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या॰ | 19472 |
| | 3. पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्प्रिंग शेड प्रबंधन कार्यों का विकास और प्रबंधन। | 3.1 कवर किये जाने वाले गांवों की संख्या॰ | 6 | 3. स्प्रिंग शेड का पुनरुद्धार और पूर्वोत्तर क्षेत्र में जल सुरक्षा सुनिश्चित करना। | 3.1 लाभान्वित होने वाली जनसंख्या की संख्या॰ | 9161 |
| | 4. बहुउद्देशीय परियोजनाओं और बाढ़ प्रबंधन योजनाओं आदि की डीपीआर तैयार करना। | 4.1 तैयार डीपीआर की संख्या | 2 | 4. बाढ़ और कटाव से सुरक्षा प्रदान करना और जल विद्युत विकास, जल निकासी की भीड़ को कम करना और कृषि भूमि का पुनर्ग्रहण करना। | 4.1 पानी की उपलब्धता, बिजली उत्पादन और अन्य उद्देश्यों में वृद्धि। | लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते[9] |

[9] परिणाम तब प्राप्त होंगे जब दो विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित किया जाएगा और कार्यान्वयन कार्य शुरू होगा ।

**7. बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (ड्रिप) चरण-II (सीएस)**

| वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में) | निर्गम 2025-26 | | | परिणाम 2025-26 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **2025-26** | **निर्गम** | **संकेतक** | **लक्ष्य 2025-26** | **नतीजा** | **संकेतक** | **लक्ष्य 2025-26** |
| **50.30** | 1. बांधों के लिए पुनर्वास और सुधार प्रस्ताव | 1.1 उन बांधों की संख्या जिन पर प्रमुख भौतिक पुनर्वास कार्य किए गए। | 20 | 1. चयनित बांधों की सुरक्षा और परिचालन प्रदर्शन में सुधार। | 1.1 पुनर्वासित बांधों में दुर्घटनाओं और बांध विफलता की संख्या में प्रतिशत कमी। | 100 |
| | 2. अधिकारियों की क्षमता निर्माण। | 2.1 आयोजित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या। | 20 | | | |
| | | 2.2 बांध सुरक्षा के क्षेत्र में दिशा-निर्देशों/मैनुअल को अंतिम रूप देना | 2 | | | |
| | 3. बांध सुरक्षा संस्थागत सुदृढ़ीकरण। | 3.1 बांध सुरक्षा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या।[10] | 500 | | | |
| | | 3.2 लाभान्वित राज्य बांध सुरक्षा संगठनों (एसडीएसओ) की संख्या। | 20 | | | |

[10] *इसमें डिजाइन बाढ़ समीक्षा, जलाशय मार्गनिर्धारण, बांध टूटना विश्लेषण, आपातकालीन कार्य योजना, बांध उपकरण, मरम्मत और पुनर्वास प्रौद्योगिकियों आदि के क्षेत्र में अधिकारियों को प्रशिक्षण देना शामिल है।*